पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 01.12.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
से मांग
स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान भवन
नया बाजार, दिल्ली को
राष्ट्रीय स्मारक घोषित करो

वर्ष-36 अंक-13 मार्गशीर्ष-2076 दयानन्दाब्द 196 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2019 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.12.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल व आर्य समाज पंजाबी बाग विस्तार का उत्सव सम्पन्न

युवा शक्ति में राष्ट्रीय भावना जगाने की आवश्यकता - आर्य नेता अनिल आर्य

रविवार, 17 नवम्बर 2019, दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द जी का 136 वां बलिदान दिवस आर्य समाज,लाजपत नगर,नई दिल्ली में सोल्लास मनाया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि अनिल आर्य ने कहा कि आज देश में दो परस्पर विरोधी विचारधारायें काम कर रही है,एक देश को जोड़ना चाहती है, एक देश के टुकड़े टुकड़े करना चाहती है। ऐसे समय में आर्य समाज की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है कि वह देश की एकता–अखण्डता की रक्षा व नयी युवा पीढ़ी में राष्ट्रीय भावना जाग्रत करने का कार्य करें।

उपरोक्त चित्र में– मुख्य अतिथि हीरो ग्रुप के श्री योगेश मुन्जाल का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री, मण्डल के प्रधान ओमप्रकाश यजुर्वेदी, जितेन्द्र डावर, आचार्य विद्याप्रसाद मिश्र व महामंत्री राकेश भटनागर। समाज के प्रधान राजेश मेहन्दीरता ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर चतरसिंह नागर, डा. धर्मेन्द्र शास्त्री, महेन्द्र आर्य, भारतभूषण कपूर, अजेय कपूर, हरिचन्द आर्य, विजय सब्रवाल, विजय भाटिया, राजीव चौधरी, सुशील आर्य, ओमबीर आर्य, के.एल.राणा, महावीरसिंह आर्य, सुरेन्द्र गुप्ता, अर्चना पुष्करना, सहदेव नागिया आदि उपस्थित थे। द्वितीय चित्र–आर्य समाज,पंजाबी बाग विस्तार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। सुदेश आर्या के भजन व आचार्य विकास तिवारी के प्रवचन हुए। उपरोक्त चित्र में–प्रवीन आर्या व अनिल आर्य का स्वागत करते हुए प्रधान धर्मपाल कुकरेजा, मंत्री सुभाष मितल, कोषाध्यक्ष पी.एस.दहिया, एस.के.छिब्बर आदि। पूर्व प्रधान आर.पी.सूरी भी उपस्थित थे।

आर्य समाज, विशाखा एनक्लेव, दिल्ली में आर्य महासम्मेलन तैयारी बैठक सम्पन्न

रविवार, 17 नवम्बर 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की आर्य महासम्मेलन तैयारी बैठक आर्य समाज, विशाखा एनक्लेव ,दिल्ली में सोल्लास सम्पन्न हुई। चित्र में–समाज के प्रधान डा. धर्मवीर आर्य सम्बोधित करते हुए, साथ में अनिल आर्य व महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र–उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल (पंजीकृत) के प्रधान ओम सपरा (पूर्व मेट्रोपोलटेन मैजिस्ट्रेट) सम्बोधित करते हुए, साथ में मन्त्री ओमप्रकाश गुप्ता, अनिल आर्य, डा. धर्मवीर आर्य व महेन्द्र भाई। सोहनलाल आर्य, इन्दु मेहता, सतीश आर्य, राजीव आर्य, उर्मिला आर्या, एस.पी. डुडेजा आदि ने भी सम्बोधित किया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तर प्रदेश की प्रान्तीय बैठक सम्पन्न

रविवार, 24 नवम्बर 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तर प्रदेश की प्रान्तीय बैठक आर्य समाज,कवि नगर,गाजियाबाद में प्रान्तीय अध्यक्ष आनन्दप्रकाश आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रान्तीय महामन्त्री प्रवीन आर्य ने कुशल संचालन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने दिल्ली आर्य महासम्मेलन की विस्तृत जानकारी व निमन्त्रण दिया। चित्र में– अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए। साथ में– प्रान्तीय अध्यक्ष आनन्दप्रकाश आर्य,महामंत्री प्रवीन आर्य,सुरेशप्रसाद गुप्ता,डा.राज आर्य(मुरादनगर), प्रवीन आर्या व देवेन्द्र गुप्ता। द्वितीय चित्र–समाज के मंत्री वी. के. धामा को सम्मानित करते अनिल आर्य, यज्ञवीर चौहान, डा. आर.के. आर्य व प्रवीन आर्य। सुरेश आर्य व सौरभ गुप्ता ने व्यवस्था सम्भाली।

अग्निहोत्र हवन-यज्ञ से वायु-वर्षा जल एवं पर्यावरण की शुद्धि सहित अनेकानेक स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक लाभ

—मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

मनुष्य के सुख का मुख्य आधार शुद्ध वायु एवं जल के सेवन सहित भूख से कुछ कम सीमित मात्रा में शुद्ध शाकाहारी भोजन का सेवन है। हमारे पूरे शरीर में रक्त भ्रमण करता है जो अनेक कारणों से दूषित होता रहता है। ईश्वर ने हमारे रक्त को शुद्ध करने का शरीर के भीतर एक यन्त्र बनाया है जिसे हम हृदय के नाम से जानते हैं। पूरे शरीर से दूषित रक्त धमनियों के द्वारा हृदय में आता है। यहां दूषित रक्त एकत्र होता है। वह दूषित रक्त हमारी श्वास प्रक्रिया द्वारा बाहर से शरीर के भीतर ली गई वायु वा आक्सीजन के सम्पर्क में आता है जिससे दूषित रक्त के विजातीय तत्व आक्सीजन से मिलकर कार्बन डाई आक्साईड गैस वा वायु में परिवर्तित होकर श्वास द्वारा बाहर आ जाते हैं। यदि हम शुद्ध वायु, जिसमें पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन व लाभकार नाइट्रोजन आदि गैसे हैं, उसे श्वास द्वारा हृदय में पहुंचाते हैं तो इससे हमारा रक्त अधिक मात्रा में शुद्ध होने से हम अनेक रोगों से बचे रहते हैं। इससे हमारा शारीरिक बल न्यूनता को प्राप्त नहीं होता। हमारे काम करने की क्षमता में वृद्धि होती है, न्यूनता नहीं आती। अग्निहोत्र से शुद्ध वायु को उत्पन्न कर उसके सेवन से हम जीवन भर निरोग रह सकते हैं। इससे हमारा मनुष्य जन्म सार्थक एवं सुखी बनता है। अतः हमें शुद्ध वायु के सेवन सहित अपने आसपास की वायु को दूषित होने से बचाना चाहिये और जो हमारे घर में रसोई, वाहनों के चलाने, उद्योगों आदि से दूषित वायु उत्पन्न होती है उनसे होने वाले प्रदुषण को वेद निर्दिष्ट उपाय अग्निहोत्र यज्ञ से दूर व कम करने का प्रातः व सायं प्रयास करना चाहिये।

अग्निहोत्र यज्ञ से अनेक लाभ होते हैं, इनमें से कुछ लाभ निम्न हैंः–

1. यज्ञ में आहुति रूप में डाले गये देशी गाय के घृत व औषधियों यथा गिलोय, गुग्गल आदि, सुगन्धित पदार्थ केसर, कस्तूरी, मिष्ट पदार्थ देशी शक्कर तथा पुष्टि व बलवर्धक पदार्थ बादाम, काजू, छुआरे आदि मेवों सहित अन्न घृत व शक्कर युक्त भात की आहुति देने से वायु का दुर्गन्ध एवं प्रदुषण दूर व कम होता है।

2. अग्निहोत्र यज्ञ से वायु तथा वायुमण्डलीय जल के कणों पर भी लाभप्रद प्रभाव पड़ता है।

3. यज्ञ से वर्षा में वृद्धि होती है। यज्ञ करने से यज्ञकर्ता यजमान की इच्छानुसार समय व मात्रा की दृष्टि से आवश्यकता के अनुरूप वर्षा हो सकती है परन्तु इसके लिये यजमान का उच्च गुणों व ज्ञान से युक्त एवं अत्यन्त पवित्र आचरण वाला होना आवश्यक है। इस प्रकार यज्ञ करने से भी वायु शुद्ध होकर रोगों का शमन तथा सुखों की वृद्धि सहित अन्न उत्पादन में भी वृद्धि होती है।

4. यज्ञ से ईश्वर की उपासना का अतिरिक्त लाभ भी होता है।

5. यज्ञ में संगतिकरण से हम दूसरों के दुःखों की निवृत्ति में सहायक बनते हैं और सबके सुखों का विस्तार होता है। अग्निहोत्र यज्ञ घर में भी किया जाता है और आर्यसमाज के सत्संगों, धार्मिक व सामाजिक समारोहों में भी होता है। इससे हमें वैदिक विद्वानों के वेद विषयक उपदेशों को सुनने का अवसर मिलता है जिससे जीवन व चरित्र को सुधारने की प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

6. अग्निहोत्र यज्ञ में हम समाज व देश को शुद्ध वायु, शुद्ध वर्षा जल का योगदान करते हैं। यज्ञीय वातावरण से होने वाली वर्षा हमारे कृषकों के लिये वरदान होती है। इससे अन्न की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। विषैली रसायनिक खाद के स्थान पर जैविक खाद से जो अन्न उत्पन्न होता है वह रोग निवारक एवं आयु की रक्षा करने वाला होता है। यज्ञ का पर्यावरण सहित वृक्षों व वनस्पतियों पर लाभकारी प्रभाव पड़ता है। इससे खेतों में उत्पन्न अन्न अधिक पौष्टिक वा स्वास्थ्यवर्धक होता है।

7. यज्ञ से हमें वेदाध्ययन की प्रेरणा भी मिलती है। वेदाध्ययन से हमारी शारीरिक, आत्मिक एवं सामाजिक उन्नति होती है।

8. यज्ञ करने से विद्वानों की संगति होने से हमारी अविद्या का नाश होता है और विद्या की वृद्धि होती है।

9. यज्ञ करने से हमें यज्ञ एवं अन्य विषयों पर प्रामाणिक जानकारी प्राप्त करने की प्रेरणा सहित वैदिक ग्रन्थों के स्वाध्याय की प्रेरणा भी मिलती है जिससे हमारे अज्ञान का नाश होकर हम आस्तिक, ईश्वर विश्वासी, धार्मिक, सत्य के ग्राहक तथा असत्य कार्यों का त्याग करने वाले बनते हैं।

10. यज्ञ करते हुए पूरा परिवार एक साथ एक स्थान बैठकर सन्ध्या व यज्ञ करता है। यह दोनों कार्य हमें प्रातः व सायं ईश्वर से जोड़े रखते हैं और बुरे काम करने से बचाते हैं। यदि हमने दिन में कोई बुरा काम किया है तो सायं सन्ध्या व यज्ञ करते हुए हमारी आत्मा हमें धिक्कारती है। परमात्मा भी हमें दुर्गुणों व दुराचारों को छोड़ने की प्रेरणा करने के साथ हमें शक्ति प्रदान करते हैं जिससे हमारा भविष्य बिगड़ने के स्थान पर सुधरता है।

11. अग्निहोत्र यज्ञ करने वाले व्यक्तियों को अपने समाज व पड़ोसियों से सम्मान प्राप्त होता है। वह जानते हैं कि यज्ञ करने वाला व्यक्ति धार्मिक हैं और यह कभी गलत व अधर्म का काम नहीं करते।

12. अग्निहोत्र यज्ञ करने से हमारे पुण्य कर्मों का संचय बढ़ता जाता है जो हमें इस जन्म में परमात्मा के द्वारा सुख दिलाता है और मृत्यु होने के बाद यज्ञ कर्म के जो फल हमें प्राप्त होने से छूट जाते हैं उनके प्रभाव से हमें अगला जन्म श्रेष्ठ मानव योनि में धार्मिक, अर्थ–सम्पन्न एवं सुशिक्षित माता–पिता के परिवारों में मिलता है। यज्ञ के प्रभाव से हमें भावी जन्म में श्रेष्ठ बुद्धि, बलिष्ठ व आकर्षक शरीर मिलता है। यज्ञ न करने से यह लाभ प्राप्त नहीं होता है।

13. प्रतिदिन प्रातः व सायं सन्ध्या व यज्ञ करने से परमात्मा हमसे प्रसन्न होते हैं। इसका कारण यह है कि इन कर्मों को करके हम परमात्मा की वेदों में की गई आज्ञा का पालन कर रहे होते हैं। जिस प्रकार माता–पिता व आचार्यों की आज्ञा पालन करने से वह प्रसन्न होकर आशीर्वाद व अपना उत्तराधिकार हमें प्रदान करते हैं, ऐसा ही परमात्मा भी करते हैं। अतः सन्ध्या व यज्ञ करने से एक महत्वपूर्ण यह लाभ भी यज्ञकर्ता को होता है।

14. देश में आपदा यथा दुर्भिक्ष, अकाल मृत्यु, भयंकर रोग, अति वृष्टि, भूकम्प, बाढ़ आदि न हों इसके लिये भी हमें यज्ञ करने चाहियें। यज्ञ करने और परमात्मा से इन संकटों से बचने की प्रार्थना करने पर परमात्मा हमें इनसे बचा सकते हैं।

यज्ञ में कुछ बातों का हमें ध्यान रखना होता है। इस विषय में हम सामवेद भाष्यकार वेदमूर्ति डा0 आचार्य रामनाथ वेदालंकार जी का मन्तव्य प्रस्तुत कर रहे हैं। हमारे यज्ञ करने वाले बन्धुओं को इन निर्देशों को देख लेना और समझ लेना चाहिये। आचार्य रामनाथ वेदालंकार जी के सुझाव निम्न हैंरु

1. घर–घर में किये जाने वाले नैत्यिक दैनिक अग्निहोत्र का प्रचार अधिकाधिक हो। घर के सब सदस्य यज्ञ में सम्मिलित हों।

2. यज्ञों में स्वच्छता और पवित्रता का पूरा ध्यान रखा जाये।

3. सामूहिक यज्ञों में यजमान, व्रती और दर्शक तीन श्रेणियां हों। यजमान सब आहुतियां डालें, व्रती केवल व्रत–ग्रहण की आहुतियां तथा पूर्णाहुति डालें। दर्शकों को आहुति डालने का अधिकार नहीं होगा।

4.यजमान और व्रती नियत वेश में बैठें तथा प्रतिदिन सारे समय उपस्थित रहें।

5.वेद प्रचार के उद्देश्य से वेदपारायण–यज्ञ बिना आहुति वाले किये जायें, अर्थात् स्तुति–प्रार्थना–उपासना, स्वस्तिवाचन, शान्तिकरण के समान प्रतिदिन यज्ञार्थ निर्धारित समय में होम से पूर्व वेदमन्त्र–पाठ हुआ करे, तत्पश्चात् सामान्य होत्र हो। होम के अनन्तर वेदोपदेश हों।

6. वेदप्रचार के अतिरिक्त अन्य किसी उद्देश्य से दीर्घयज्ञों का आयोजन हो, तो उसके अनुरूप मन्त्रों का चयन करके उनके पाठपूर्वक आहुति दी जाए। साथ में कुछ मन्त्र ईश्वर–स्तुति–प्रार्थना–उपासना के रखे जा सकते हैं।

7. दीर्घयज्ञों के उद्देश्य अनेक हो सकते हैं, यथा––स्वराज्य और सुराज्य की भावना जगाना, किसी फैली हुई महामारी से बचाव, स्वास्थ्य–प्राप्ति एवं दीर्घायुष्य, धन–समृद्धि, कृषि–पुष्टि, दुर्भिक्षनाश, वृष्टि, सन्तान–प्राप्ति, पाप–नाशन, धर्मप्रचार आदि। प्रत्येक उद्देश्य के वेदमन्त्र–संग्रह तैयार किये जा सकते हैं। यज्ञों के अनन्तर प्रत्येक उद्देश्य की पूर्ति के निमित्त वेदोपदेश या धर्मोपदेश होंगे ही।

8. यज्ञों में श्रद्धा और मेधा दोनों का प्रयोग हो। श्रद्धा के साथ वैज्ञानिकता का भी ध्यान रखा जाए।

9. घृत एवं अन्य हव्य पदार्थ शुद्ध, सुसंस्कृत हों। सुगन्धित, मिष्ट, पुष्टिप्रद एवं रोगहर चारों प्रकार के हव्य होने चाहियें। हवन–सामग्री पर अनुसंधान होने उचित हैं।

10.आहुति डालने से मुक्ति मिल जाएगी––ऐसा प्रचार करके पूर्णाहुति के लिए जनता को आकृष्ट करना और जो भी पूर्णाहुति के समय आ जाए, उससे आहुति डलवा देना उचित नहीं है। यजमानों के अतिरिक्त यदि किन्हीं को पूर्णाहुति का अधिकार देना है, तो उन्हीं को मिलना चाहिए जो व्रती बनकर प्रतिदिन प्रारम्भ से अन्त तक यज्ञ में उपस्थित रहे हों। जिन्होंने यज्ञ आरम्भ ही नहीं किया, उन्हें पूर्णाहुति का अधिकार कैसे मिल सकता है।

11.मान्य पुरोहितवर्ग, विद्वद्वर्ग तथा सुधीजनों को यह भी सोचना होगा कि यज्ञ को आवश्यकता से अधिक महिमा–मण्डित न करें। मध्यमार्ग ही उचित रहता है। देश की भूखी–नंगी जनता को देखना और उसके प्रति अपने कर्तव्य को पालन करने का विचार भी करना होगा। दुर्भिक्ष, बाढ़, भूकम्प, तूफान, अग्निकाण्ड, दुर्घटनाओं आदि की त्रासदी से पीड़ित जनता के लिए भी अपना तन–मन–धन देना होगा।

हमने इस लेख में यज्ञ के लाभों की एक हल्की झलक प्रस्तुत की है। यज्ञ से अनेकानेक लाभ होते हैं। यज्ञ का मुख्य उद्देश्य दुःखों की निवृति एवं सुखों की वृद्धि वा स्वर्ग–प्राप्ति होता है। हम जो भी इच्छा करते हैं और उसकी पूर्ति के लिये श्रद्धा और मेधा के साथ यज्ञ करते हैं तो परमेश्वर हमारा कोई भी शुभ व उचित काम पूर्ण कर देते हैं। अतः हमें निज हित व लाभ सहित समाज व देश हित के कामों के लिये यज्ञों का अनुष्ठान करना चाहिये जिससे हमारा समाज व देश सभी प्रकार की विपत्तियों व आपदाओं से मुक्त रहें। हम सदैव सुखी, स्वतन्त्र, निर्भय, स्वस्थ तथा दीर्घजीवी हों।

हमने यह लेख हमारे अत्यन्त हितैषी अमृतसर निवासी ऋषिभक्त श्री मुकेश आनन्द जी की प्रेरणा से लिखा है। हम उनके आभारी हैं। ईश्वर उन पर सुख–समृद्धि तथा आनन्द की वर्षा करें। उनकी प्रेरणा से हम यह कार्य कर पाये, इसके लिये ईश्वर का भी धन्यवाद है।

—196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः 09412985121

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 41 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी धर्ममुनि जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी के सानिध्य में
डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता व आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व में
वायु प्रदुषण व पर्यावरण की शुद्धि के लिए

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 31 जनवरी व 1, 2 फरवरी 2020 (शुक्र, शनि व रविवार)

समारोह स्थानः रामलीला मैदान, पी.यू ब्लाक, विशाखा एनक्लेव, पीतमपुरा, दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन कोहाट एनक्लेव)

राष्ट्रीय एकता तिरंगा यात्रा : शनिवार 1 फरवरी 2020, प्रातः 10.30 बजे

रूट : रामलीला मैदान,विशाखा एनक्लेव से चलकर वाया डी यू ब्लाक,सी यू ब्लाक, अग्रसेन पब्लिक स्कूल, बाहरी रिंग रोड,आर्य समाज विशाखा एनक्लेव,डिस्ट्रिक पार्क,होटल सिटी पार्क, पुलिस स्टेशन मोर्य एनक्लेव, आर्य समाज सी.पी.ब्लाक,पैट्रोल पम्प, एच.यू. ब्लाक होते हुए रामलीला मैदान 1.30 बजे समापन-प्रबन्धकः अरूण आर्य, प्रदीप आर्य, माधवसिंह आर्य, वरूण आर्य। संयोजक-योगेन्द्र शास्त्री, शिवम मिश्रा, हिमांशु वर्मा, राकेश आर्य, केशव आर्य, ओमप्रकाश नागिया, रणसिंह राणा, महेन्द्र टांक, उर्मिल-महेन्द्र मनचन्दा, अरविन्द आर्य, निर्मल जावा,संतोष आर्या, वीरेश आर्य, सन्तोष शास्त्री, वेद प्रकाश आर्य, प्रवीण आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य,विश्वनाथ आर्य, ओमवीर सिंह, के.एल. राणा, प्रकाशवीर शास्त्री, के.के. यादव, सुरेश आर्य, प्रमोद चौधरी, यज्ञवीर चौहान, देवेन्द्र गुप्ता, जितेन्द्र नरूला,मनोहर लाल चावला, हरिचन्द स्नेही, वीरेश भाटी,प्रदीप गोगिया, सुशील बाली, ब्रजेश गुप्ता,रामचन्द कपूर, रमेश गाडी, एस.पी. डुडेजा, इन्दू मेहता।

मुख्य यजमान : सर्वश्री दर्शन अग्निहोत्री, टी.आर.गुप्ता (जम्मू), राजीव परम, सुरेन्द्र मानकटाला, प्रेमलता सरीन

शुक्रवार 31 जनवरी, 2020

101 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रातः 8.00 से 10.00
आर्य नारी शक्ति सम्मेलन	: प्रातः 11.00 से 2.00
आर्य युवा शक्ति सम्मेलन	: दोपहर 2.00 से 5.00
व्यायाम प्रदर्शन	: सायं 5.00 से 6.00

आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा सांय 6 से 8 बजे तक

शनिवार 1 फरवरी, 2020

यज्ञ	: प्रातः 8.00 से 9.30
ध्वजारोहण	: प्रातः 10.00 बजे
राष्ट्रीय एकता शोभा यात्रा	: प्रातः10.30 से 1.30
राष्ट्र रक्षा सम्मेलन	: दोपहर 2.30 से 5.30
सामूहिक संध्या	: सायं 5.30 से 6.00

आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा सांय 6 से 8 बजे तक

रविवार 2 फरवरी, 2020

151 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रातः 8.00 से 10.30
ध्वजारोहण	: प्रातः 11.00 बजे
राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन	: 11.30 से 4.00 तक

आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा सायं 4 से 6 बजे तक

कार्यकर्ता सम्मान - धन्यवाद शांतिपाठ समापन	: सायं 6.00 से 6.30

१. दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या के बारे में 12 जनवरी 2020 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास का उचित प्रबन्ध किया जा सके। सम्पर्क : देवेन्द्र भगत-9958889970, दुर्गेश आर्य-9868664800, सौरभ गुप्ता-9971467978

२. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु अपना यज्ञ कुण्ड 12 जनवरी 2020 तक राजीव आर्य-9968079062, सतीश आर्य-9625048604 देवमित्र आर्य-9313199062, सोहन लाल आर्य-9810716655, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री-9810884124 पर आरक्षित करवा लें।

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि-लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, शुद्ध घी, रिफाईन्ड, सब्जी, मसाले आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें

निवेदक

अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष
महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय महामंत्री
सुरेश आर्य
राष्ट्रीय मंत्री
धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

यशोवीर आर्य
रामकुमार सिंह
सुभाष बब्बर
स्वतंत्र कुकरेजा
आनन्दप्रकाश आर्य
अजेय सहगल
भानुप्रताप वेदालंकार
रामकृष्ण शास्त्री
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

आनन्द चौहान
ठाकुर विक्रम सिंह
मायाप्रकाश त्यागी
अरूण बंसल
प्रदीप तायल
प्रवीन तायल
नरेन्द्र आर्य सुमन
अमीरचन्द रखेजा

डॉ. रिखबचन्द जैन
रमेश कुमारी भारद्वाज
योगराज अरोड़ा
संजीव सेठी
संगीता चौधरी
सुरेन्द्र गुप्ता
व्रतपाल भगत
प्रेम कुमार सचदेवा
स्वागत अध्यक्ष

सुभाष आर्य
रेखा गुप्ता
सुजीत ठाकुर
डॉ. धर्मवीर आर्य
ओमप्रकाश गुप्ता
विकास गोगिया
रवि चड्डा
ब्रह्मप्रकाश मान

सुरेन्द्र कोहली
गायत्री मीना
डॉ. गजराज सिंह आर्य
ज्ञानेन्द्र सिंह आर्य
ओमप्रकाश मनचंदा
रविदेव गुप्ता
धर्मपाल परमार
डॉ. विशाल आर्य
स्वागत मन्त्री

स्वागत समिति : आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, ओम सपरा, विनोद गुप्ता, सोमनाथ पुरी, आनन्दप्रकाश गुप्ता, सुदेश डोगरा, राजेन्द्र लाम्बा, अमरनाथ बत्रा, जितेन्द्र डावर,राजेश मेहन्दीरत्ता, चत्तरसिंह नागर,मदन खुराना, धर्मदेव खुराना, डॉ. आर.के. आर्य, अन्जु जावा, नीता खन्ना, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्करणा, शीला ग्रोवर, पुष्पलता वर्मा, कै. अशोक गुलाटी, आर.पी. सूरी, सुभाष मित्तल अमित मान, ओमप्रकाश यजुर्वेदी, राकेश भटनागर, ओमवीरसिंह आर्य, ओमप्रकाश पाण्डेय, विजयारानी शर्मा, प्रवीन भाटिया, राजरानी अग्रवाल, जीवनलाल आर्य, सुरेन्द्र गम्भीर, सुरेन्द्र शास्त्री, रामलुभाया महाजन, सुनीता बुग्गा, कमल मोंगा, मदनलाल तनेजा, विमला ग्रोवर, जितेन्द्रसिंह आर्य, ईश आर्य, आनन्दसिंह आर्य, सीमा- रोहित धींगरा, कस्तूरीलाल मक्कड़ , आदर्श आहूजा,नरेन्द्र अरोड़ा।

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9868051444, 7703922101, 9871581398, 9810114455
E-mail: aryayouthn@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

आर्य समाज, मालवीय नगर, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 24 नवम्बर 2019, आर्य समाज, मालवीय नगर, दिल्ली का 68वां वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री (बरेली) के मधुर भजन व आचार्य वीरेन्द्र कुमार के प्रवचन हुए। आचार्य आरक्षित शास्त्री ने कुशल संचालन किया। चित्र में–समाज के प्रधान एच.एन.मिथरानी को सम्मानित करते हुए अनिल आर्य, विनोद कद, आनन्द जी, मदन वर्मा, मंत्री प्रमोद पाठक आदि। द्वितीय चित्र–अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए व मंच पर–ओमप्रकाश यजुर्वेदी, प्रो. सारस्वतमोहन मनीषी, राकेश भटनागर व डा. धर्मेंद्र शास्त्री। जितेन्द्र डावर, राजेश मेहन्दीरता, सुरेन्द्र शास्त्री, सुरेन्द्र तलवार, ओमबीरसिंह, सत्यभूषण आर्य, महावीरसिंह आर्य आदि उपस्थित थे।

आर्य समाज, सैनिक विहार व अशोक विहार, फेज-2, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

रविवार, 24 नवम्बर 2019, आर्य समाज, सैनिक विहार, दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर प्रधाना माता कृष्णा सपरा को सम्मानित करते हुए अनिल आर्य, प्रवीन आर्या, मंत्रिणी मंजुला गोयल, तृप्ता आहुजा, शिखा अरोड़ा आदि। द्वितीय चित्र–रविवार, 17 नवम्बर 2019, आर्य समाज, अशोक विहार, फेज–2, दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर ध्वजारोहण करते समाजसेवी प्रमोद कोहली, साथ में अनिल आर्य, पं. काशीराम शास्त्री, प्रधान सत्यपाल गांधी, राजसिंह चौहान, धर्मपाल आर्य, डा.जयेन्द्र आचार्य आदि। संचालन मंत्री राकेश बेदी ने किया।

आर्य समाज, पंचदीप, पीतमपुरा का उत्सव व सुरेशप्रसाद गुप्ता का गृह प्रवेश

रविवार, 24 नवम्बर 2019, आर्य समाज, पंचदीप, पीतमपुरा, दिल्ली का 19वां वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ। चित्र में मंच पर– डा. विनोद (शामली), डा. सुखराम व अनिल आर्य। प्रधान आनन्दप्रकाश गुप्ता ने कुशल संचालन किया। यशपाल मितल, मित्रसेन आर्य, व्रतपाल भगत, सोहनलाल आर्य आदि उपस्थित थे। द्वितीय चित्र–परिषद् के प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता के नन्द ग्राम, गाजियाबाद में स्थित नये भवन निर्माण पर उनके माता पिता को शुभकामनायें व बधाई प्रदान करते हुए अनिल आर्य।

आर्यो, महर्षि दयानन्द जन्म भूमि टंकारा चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली की ओर से महर्षि दयानन्द जन्म भूमि टंकारा दर्शन व गुजरात भ्रमण का निम्नप्रकार कार्यक्रम बनाया गया है इच्छुक आर्य जन शीघ्र सम्पर्क करें–

1. दिनांक 17 फरवरी 2020 को दिल्ली से राजकोट ट्रेन द्वारा व वहां से बस द्वारा टंकारा ऋषि जन्म भूमि व उसी प्रकार 22 फरवरी 2020 को वापिसी होगी। प्रति सीट किराया केवल–1500/–रू। मार्ग में नाश्ता,भोजन आदि यात्री स्वयं करेंगे व टंकारा में निवास व भोजन आदि ''ऋषि लंगर'' में ही होगा।
2. दिनांक 19 फरवरी 2020 से 25 फरवरी 2020 तक,हवाई जहाज द्वारा राजकोट–18,800 रू प्रति सीट व आगे बस द्वारा टंकारा, द्वारकाधीश, सोमनाथ, सरदार पटेल स्मारक दर्शन।
3. प्रति सीट– 3 टायर ए.सी द्वारा–16,800
4. ट्रेन स्लीपर क्लास–13,800 रू है (6 रात्री व 7 दिन)
   सम्पर्क सूत्र–देवेन्द्र भगत, संयोजकः 9958889970 व अशोक बुद्धिराजा–9868168680.

आर्य महासम्मेलन की तैयारी हेतु आगामी बैठकें

(1) **शनिवार 30 नवम्बर** को प्रातः 11 बजे, आर्य समाज पटेल नगर, हिसार, हरियाणा (2) **शनिवार 7 दिसम्बर** को प्रातः 11 बजे, आर्य समाज अशोक विहार फेज-1, उतरी दिल्ली (3) **शनिवार 7 दिसम्बर** को शाम 5 बजे, आर्य समाज सरस्वती विहार, उत्तर पश्चिमी दिल्ली (4) **रविवार 8 दिसम्बर** को प्रातः 11 बजे, आर्य समाज पश्चिम विहार, पश्चिमी दिल्ली (5) **रविवार 8 दिसम्बर** को दोपहर 3.00 बजे, श्रद्धा मंदिर स्कूल सेक्टर 87 फरीदाबाद (6) **रविवार 15 दिसम्बर** को दोपहर 3.30 बजे, आर्य समाज सूर्य निकेतन, विकास मार्ग, पूर्वी दिल्ली (7) **रविवार 15 दिसम्बर** को 3.30 बजे, आर्य समाज कालका जी, दक्षिण दिल्ली (8) **शनिवार 28 दिसम्बर** को प्रातः 11 बजे, आर्य समाज सेक्टर 13, करनाल। कृपया अपने निकट की बैठक में पधार कर सहयोग प्रदान करे।

–देवेन्द्र भगत, प्रेस सचिव, 9958889970

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्रीमती कृष्णा खट्टर (आर्य समाज, बी ब्लाक, जनकपुरी) का निधन।
2. श्री सुन्दरपालसिंह, भारसी (चाचा रामकुमारसिंह आर्य) का निधन।
3. श्री नारायणदास चुटानी (मेरठ) का निधन।
4. श्रीमती विमला सहगल (आर्य समाज, पंजाबी बाग विस्तार) का निधन।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970